Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

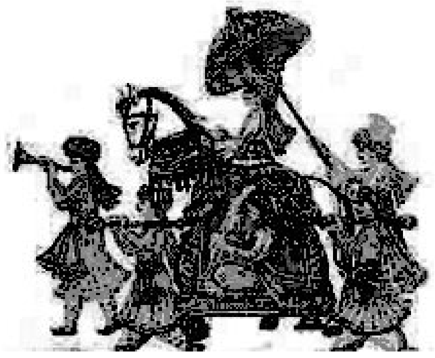

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

एक साल गुजर गया,समाधान आज तक नही निकल पाया

जिम्मेदार कौन

मानसूून शुरू होते ही ग्रमीणों की धड़कनें बढ़नी शुरू

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। बीते साल जुलाई माह में बांसबगड घाटी में भुजगड नदी ने खासी तबाही व तांडव मचाया था। बता दें कि सीमांत के खेत भराड में एक मकान व पांच दुकानें आपदा के कारण पूरी तरह से ध्वस्त हो गई थी। हालात यह है कि बांसबगड घाटी के आपदा प्रभावितों के जख्म आज तक नही भर सके है। दूसरी ओर तब से लेकर सीमांत गांवों के आपदा प्रभावित आज भी मानसून काल के सिर पर आते ही हवा में लटक रहे मकानों में रात भर जागकर अपनी धड़कनें बढ़ानें को मजबूर हो चुके है।

वही इलाके में नदी के कटाव के कारण सीमांत गांव के प्रभावितों की सैकड़ों हेक्टयेर भूमि भी आपदा की चपेट में आ गई थी। एसडीएम ने यहां पर प्रभावितों के लिए राहत कैप भी चलाया था। वही सीमांत में आई गत वर्ष भीषण आपदा के कारण कई परिवार तब से लेकर आज तक हवा में लटक चुके मकानों में अपनी रातें बिता रहे है।

वही सीमांत में आई भीषण आपदा को लेकर जिलाधिकरी ने मौके पर प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर प्रभावितों के हित में सिचाई विभाग को तत्काल सुरक्षात्मक कार्य करने के आदेश भी निर्देशित किये थे। वही एक साल गुजरने के बाद भी क्षेत्र के आपदा प्रभावितों की मुशिकिलें कम नही हुई है। वर्तमान में एक बार फिर गांव के आपदा प्रभावितों की धड़कनें खासा भय से बढ़नें लगी है। आलम यह है कि यहां के आपदा प्रभावित रोजाना तेज बारिश के डर से अपने घरों को छोड़ने को मजबूर हो रहे है।

गांव के प्रभावितों ने कहा कि उन्हें हर साल शासन–प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से केवल आश्वासन मिलते है। मगर अब तक उनके इलाके की अनदेखी होती रही है। वह सीमांत के आपदा प्रभावितों का साफ–साफ कहना है कि उनके द्वारा कई बार शासन प्रशासन के विभागों के चक्कर काटे गये मगर आज तक उनकी सुध किसी ने भी नही लेने की हिम्मत तक नही जुटाई। इन प्रभावितों का कहना है कि कोई भी परिवार सुरक्षित स्थानों में घर बनाने की स्थिति में नही है। हवा में लटके मकानों में आखिरकार कब तक प्रभावित रात बिताते रहेगें यह सोचने वाला विषय है। मानसून काल सिर पर है। प्रभावितों के दर्द का हल नही निकल सका है। वही दूसरी ओर प्रभावितों ने राज्य सरकार से विस्थापन की गुहार लगाई है।

नई तकनीक से बागवानी के क्षेत्र में अमूल चूक परिवर्तन होगा: सीएम

संवाददाता पुरोला। पुरोला के सुनाली गांव मे कोका कोला एवं इंडो डच हार्टिकल्चर कम्पनी के सहयोग से यमुना घाटी के लो हाइट क्षेत्र में की जा रही सेब बागवानी के कार्यो से कास्तकारो की आजीविका में भारी सुधार हो रहा है। सीएम ने भी इसकी प्रशंसा करते हुए कहा कि इस नई तकनीक से बागवानी के क्षेत्र में अमूल चूक परिवर्तन होगा। पुरोला मोरी रोड पर सुनाली गाँव की पूनम द्वारा अपने पांच नाली भूमि पर कोका कोला इंडोटच के माध्यम से दो वर्ष पूर्व सेब का बगिचा लगाया गया था। जिससे इस वर्ष ढाई लाख रूपये का सेब उत्पादन करने पर सीएम ने वीडियो कॉल के माध्यम से पूनम को बधाई दी।

एयरटेल ने अपने पोस्टपेड प्लान अपग्रेड किये

संवाददाता देहरादून। भारत के प्रमुख संचार समाधान प्रदाता भारती एयरटेल ("एयरटेल") ने आज कॉरपोरेट और रिटेल ग्राहकों के लिये नये पोस्टपेड प्लान्स की घोषणा की है। महामारी के बाद की दुनिया में, हाई–स्पीड डेटा की अधिकता ग्राहकों की महत्वपूर्ण जरूरत बनती जा रही है, क्योकि घर से काम करना और ऑनलाइन एजुकेशन अब 'न्यू नॉर्मल' हैं। एयरटेल बिजनेस के डायरेक्टर और सीईओ अजय चितकारा ने कहा, सुरक्षित नेटवर्क बनाने के लिए स्पेक्ट्रम, इंफ्रास्ट्रक्चर और नई टेक्नोलॉजी में भारी निवेश किया है।

वर्षों लम्बित मुआवजों का शीघ्र भुगतान होगा: सतपाल महाराज

संवाददाता पौड़ी। लोक निर्माण विभाग एवं पीएमजीएसवाई योजना के तहत जितने भी लोगों के मुआवजे लंबित है उन सभी को शीघ्र ही भुगतान किया जाएगा। उक्त बात शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल में करोड़ों रुपए की योजनाओं का लोकार्पण और करते हुए प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई मंत्री एवं विधायक श्री सतपाल महाराज ने ने कही।

प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री, विधायक सतपाल महाराज ने शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल में 9 लाख 27 हजार की लागत से सुकई के तहत पाईप लाईन के विस्तारीकरण की योजना का शिलान्यास करने के साथ–साथ 4 करोड़ 30 लाख 33 हजार की लागत से जिवई–विरगडा मोटर मार्ग के डामरीकरण का लोकार्पण, स्यूंसी–आमकुलाउ मोटर मार्ग की 1 करोड़ 20 लाख 36 हजार की लागत से होने वाले द्वितीय चरण के शिलान्यास, डांडा ग्वीन (ग्राम सभा ग्वीन) तक 1 करोड़ 20 लाख की लागत से मोटर मार्ग के नव निर्माण कार्य का शिलान्यास करने के अलावा लोनिवि मंत्री, चौबट्टाखाल विधायक महाराज ने 5 करोड़ 48 लाख 22 हजार रूपये की धनराशि से निर्मित मैठाणा घाट बवांसा–रसिया महादेव मोटर मार्ग और कोठिला में विधायक निधि से किये गये कार्यों का लोकार्पण भी किया।

चम्पावत के हाईवे पर हर 10 मीटर में लैंड स्लाइड

संवाददाता चम्पावत। अगर आप टनकपुर से पिथौरागढ़ ऑलवेदर रोड पर सफर करने की सोच रहे हैं तो आपको बहुत ही सतर्कता बरतने की जरूरत है। कारण कि बीते दिनों हुई बारिश से एनएच पर जगह–जगह लैंड स्लाइड हो रहा है। यह स्थिति एक दो जगह नहीं बल्कि हर दस मीटर पर यही स्थिति है। मार्ग में जगह–जगह मलवा जमा है। मार्ग क्षतिग्रस्त हो गई है। इससे कार्यदायी कंपनियों को करोड़ों का नुकसान भी हो रहा है। शनिवार को स्वाला में बंद रोड तक एनएच की पड़ताल की। जिसमें देखने को मिला कि करीब 17 किमी के टुकड़े में तीन जगह रोड टूट गई तो 123 से अधिक जगह स्लाइड होने से मलवा रोड पर फैला हुआ है। संकरे मार्ग से वाहनों को गुजारा जा रहा है। एनएच में इतने हिस्से में 50 से अधिक नए डेंजर जोन भी बन गए हैं।

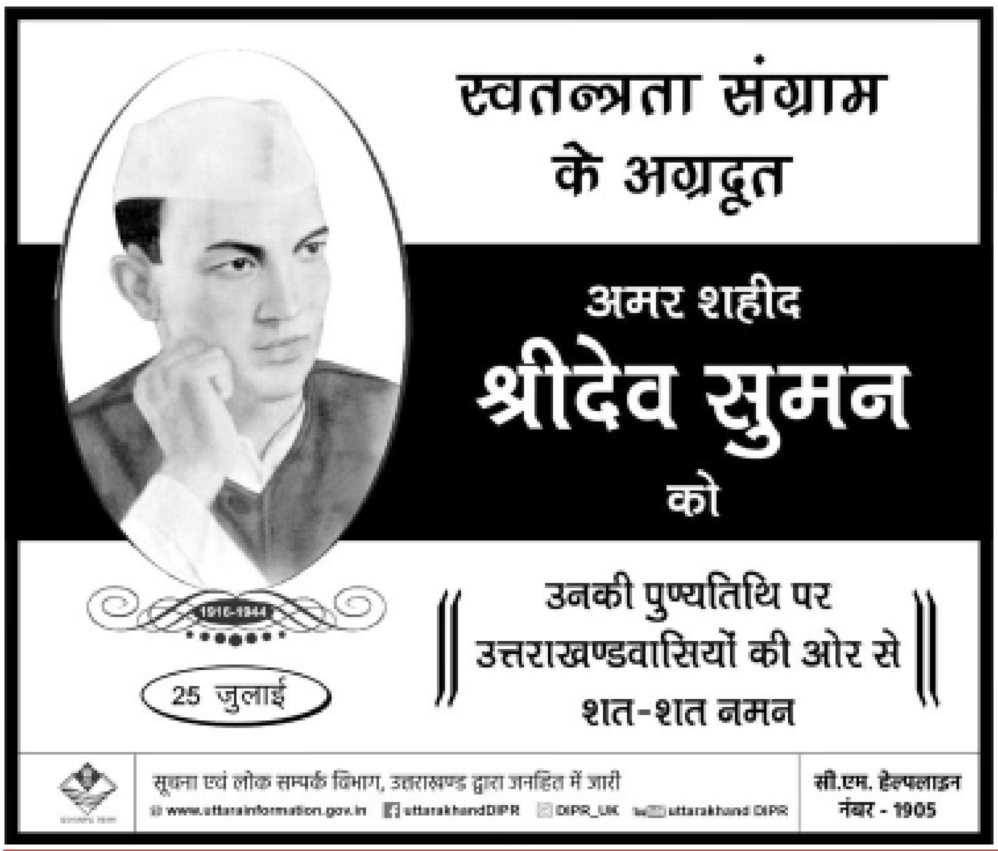

सफाई नायक को महिला कर्मियों ने पीटा, महिलाओं ने भी लगाए आरोप

संवाददाता हल्द्वानी। नियमितीकरण समेत 11 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलित देवभूमि सफाई कर्मचारी संघ के आंदोलन को छह दिन हो चुके हैं। नगर निगम परिसर के बाहर धरना स्थल पर शनिवार को बवाल हो गया। आंदोलित महिला कर्मचारियों ने सफाई नायक राजेंद्र को पीट दिया। एक के बाद एक कई महिलाएं कर्मचारी पर टूट पड़ीं। महिलाओं से बचने के लिए गार्ड रूम में घुसे सफाई नायक को महिलाओं ने बाहर खींच लिया और हेलमेट, डंडे और चप्पलों से कर्मचारी की पिटाई शुरू कर दी थी। महिला कर्मचारियों का आरोप है कि सफाई नायक ने उनके साथ अभद्रता की।

हंगामा बढ़ते देख कुछ देर में मौके पर भारी पुलिस बल जुट गया। इधर, आंदोलित सफाई कर्मचारियों ने जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। संगठन ने मांगे पूरी न होने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया है। सफाई कर्मियों का कहना है कि अधिकारी मांगे सुनना तो दूर मिलने आने पर घंटों बिठाकर रखते हैं और बाद में नहीं मिलते। उनका कहना है कि पूरे कोविड काल में हम लोगों ने फ्रंट पर आकर जान की बाजी लगाकर काम किए हैं। हम लोग कोरोना के डर से अपना काम बंद नहीं किए। फिर भी हम लोगों के साथ दोहरा मापदंड अपनाया जा रहा है। इतने दिनों से हम आंदोलित हैं पर कोई अधिकारी सुनने वाला नहीं है। कहा कि मांग पूरा न होने तक आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा।

सुबह कूड़ा उठाने को लेकर बवाल: नगर निगम की ओर से किराए पर लगाए गए सफाई कर्मचारी शनिवार सुबह महिला डिग्री कॉलेज के बाहर एकत्र कूड़ा उठाने के लिए पहुंचे थे। इसकी भनक लगते ही आंदोलन कर्मचारी भी वहां पहुंच गए। कर्मचारियों ने कूड़ा उठाने का विरोध किया।